1. अपनी धरती अपना अंबर

पाठ से

1. श्रुतलेख

छात्र/छात्राएँ श्रवण कर लेख लिखें।

2. बताओ, क्या पढ़ा-

(क) कविता में देश की विविधता में एकता के बारे में बताया गया है।

(ख) हमारे देश के जवान वीर हैं।

(ग) सागर हिमगिरी (हिमालय) के चरण पखारता है।

लिखो

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सही विकल्प चुनो

(क) वीर ✓ (ख) आरती ✓ (ग) प्रतिदिन ✓

2. हिमगिरी शीश मुकुट रतनारे
सागर जिसके चरण पखारे
गंगा यमुना की धाराएँ
निर्माणों की नींव सँवारें
नई-नई आशाएँ अपनी
अपना हर उत्थान, अपना हर उत्थान।

3. (क) हमारी ताकत हमारे वीर जवान हैं।

(ख) निर्माणों की नींव गंगा-यमुना की धाराएँ सँवारती हैं।

(ग) कण-कण भारत माता की गौरव गाथा गाता है।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ 'भारतवर्ष' शीर्षक पर पाँच पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त करें।

भाषा से

1. धरती वीर शीश नींव

	चाँदनी	भारती	अपनी	आरती
2.	न्याय	प्याला	पुरस्कार	अस्ताखल

रचनात्मक मूल्यांकन

तिरंगा मोर बाघ हॉकी कमल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. छात्र/छात्राएँ कक्षा में अपने मित्रों के साथ चर्चा करें।
2. हिमालय पर्वत को हिमगिरि के नाम से संबोधित किया गया है।
3. छात्र/छात्राएँ स्वंय उत्तर दें।
4. चिनाव झेलम नर्मदा गोदावरी
   सतलुज व्यास कावेरी यमुना

नाम बताओ

भारत का राष्ट्रीय घ्वज – तिरंगा

भारत का राष्ट्रीय पक्षी – मोर

भारत का राष्ट्रीय पशु – बाघ

भारत का राष्ट्रीय खेल – हॉकी

भारत का राष्ट्रीय पुष्प – कमल

2. जन्मदिन

पाठ से

1. श्रुतलेख

छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वंय लिखें।

2. बताओ, क्या पढ़ा–

(क) मयंक का जन्मदिन था इसलिए वह बहुत खुश था।

(ख) मयंक जिद कर रहा था कि वह अपना जन्मदिन अपने दोस्तों को पार्टी देकर धूम–धाम से मनाएगा।

(ग) अन्दर से रोने की आवाज़ें आ रही थीं।

लिखो

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. **सही विकल्प चुनो**

   (क) स्कूल ✓ (ख) हानि ✓ (ग) मिठाई लाने को ✓

2. (क) वर्षा (ख) बरामदे

   (ग) पैसे (घ) खुश

3.

	किसने	**किससे**
(क)	मयंक ने	पिता जी से
(ख)	पिता ने	मयंक से
(ग)	बूढ़ी औरत ने	मयंक से

4. (क) मयंक के पिता जी ने उससे यह वायदा किया था कि वे उसके दोस्तों को बुलाकर पार्टी देंगे।

   (ख) रास्ते में तेज वर्षा शुरू हो गई इसलिए मयंक रास्ते में रुक गया।

   (ग) बूढ़ी औरत का बच्चा बीमार था और उसके पास इलाज कराने के पैसे नहीं थे इसलिए वह रो रही थी।

   (घ) मयंक मिठाई खरीदने के लिए जो पैसे लेकर जा रहा था वही पैसा उसने बूढ़ी औरत को देकर उसकी मदद की।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. बच्चे बेटे

   गुब्बारे मोमबत्तियाँ

   रुपये पैसों

2. रुपया रूमाल

   रुकना रूखा

   रुची रूप

3. ज जन्मदिन जल्दी गरीब

   ज़ ज़िद तेज़ आवाज़

4. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. पिता के व्यापार में घाटा होनं के बावजूद मयंक द्वारा जन्मदिन की पार्टी में मित्रों को न्योता देना सर्वथा अनुचित था। क्योंकि पिताजी की आर्थिक स्थिति को देखकर कार्य करना चाहिए न कि अपनी ज़िद मनवाकर कोई काम करना चाहिए।
2. नहीं मैं अपने माता-पिता से उचित अनुचित माँगों की पूर्ति के लिए ज़िद नहीं करता/करती हूँ। मैं अपने माता-पिता से हमेशा उचित माँग की पूर्ति के लिए कहती हूँ।
3. छात्र/छात्राएँ स्वंय 'परोपकार' विषय पर एक अनुच्छेद लिखें।
4. छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर उसका वर्णन करें।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

3. सेर को सवा सेर

पाठ से

1. **श्रुतलेख**

   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर लेख लिखें।

2. **बताओ, क्या पढ़ा-**

   (क) कालू एक ठग था।

   (ख) कालू चंदनपुर में रहता था।

   (ग) नौजवान के एक हाथ में घोड़े की लगाम थी और दूसरे हाथ में बकरी की रस्सी थी।

लिखो

1. (क) परेशान ✓ (ख) पाँच सौ की ✓

   (ग) काठ का उल्लू ✓

2. किसने	किससे
कालू ने	अजनबी से
अजनबी ने	कालू से
कालू ने	अजनबी से
अजनबी ने	कालू से
कालू ने	पत्नी से

3. (क) नौजवान श्याम नगर अपने ससुराल जा रहा था।

(ख) नौजवान बकरी बेचना चाहता था।

(ग) कालू ने नौजवान को धोखा देकर ठगा।

(घ) नौजवान ने अपनी पगड़ी की कीमत एक मुट्ठी चावल बताई।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ स्वयं जल और थल वाले जानवर पर (✓) का निशान लगाएँ।

भाषा से

1. घोड़ा बकरी पगड़ी उल्लू
2. छात्र/छात्राएँ पढ़ें और समझें।
3. घोड़ा – घोड़ी

   बकरा – बकरी

   पति – पत्नी

   भैया – बहन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. चंद पैसों या क्षणिक लाभ की पूर्ति के लिए दूसरों को ठगना या नुकसान पहुँचाना सर्वथा गलत है। यह गंभीर और घोर अपराध है, इसके लिए भारतीय न्याय व्यवस्था में दंड का भी विधान निर्धारित किया गया है।
2. मैं सदैव अपनी मेहनत से पैसा कमाना चाहूँगा न कि दूसरों की मूर्खता का लाभ उठाकर अर्थात उसे ठगकर पैसा कमाना जितना अपनी मेहनत से कमाए गए पैसों का एक अलग ही संतोष तथा आनंद प्राप्त होता है उतना किसी की मूर्खता का लाभ उठाकर अर्थात उसको ठगकर नहीं प्राप्त होता है।

3. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

4. छात्र/छात्राएँ चेतक की कुछ पंक्तियाँ स्वयं लिखे तथा दिए गए चित्र में रंग भरें।

रचनात्मक मूल्यांकन

1. चित्रों के साथ शब्दों को मिलाएँ।

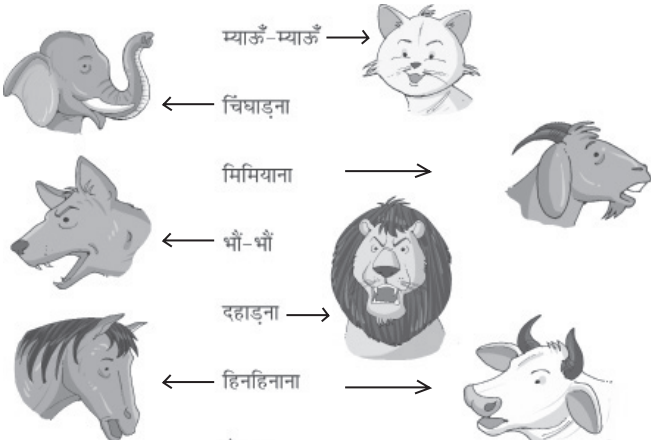

2. मुँह-हाथी गर्दन-जिराफ पैर-घोड़ा दुम-कुत्ता

4. ईद मुबारक

पाठ से

1. श्रुतलेख

छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लिखें।

2. बताओ, क्या पढ़ा-

(क) ईद खुशियाँ लेकर आई।

(ख) सबने तीस रोजे रखे।

(ग) हामिद को ईदी अच्छी नहीं लगी।

लिखो

1. (क) तीस ✓ (ख) छत्तीस ✓ (ग) लाल ✓

2. मम्मी पापा उठते रोज़
बच्चे करते नहीं हैं शोर
आसपास न भनक लगे
ऐसी सेहरी लेते भोर
काम में चुस्ती हाथ में फुर्ती
रोजे रखने में की होड़

3. (क) रमजान की आखिरी रात का चाँद देखकर शव्वाल के पहले दिन मीठी ईद मनाई जाती है।
(ख) सूर्य उगने से पहले सुबह खाने वाला खाना सेहरी कहलाता है।
(ग) रमजान उनतीस या तीस दिनों का होता है।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. नीर वस्त्र रवि खुशी नेत्र गगन

2. (क) वाह! तुम मैच जीत गए?
(ख) आशीष कब गया?
(ग) सब्जी ताजी है।
(घ) दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई महानगर हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. हाँ मैं कथ्न से पूर्णतया सहमत हूँ कि पर्व-त्योहार नीरसता को दूर कर जीवन में उमंग और उत्साह भरते हैं। पर्व त्योहार लोगों को एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर हँसी-खुशी से पर्व-त्योहार मनाते उदाहरणार्थ-होली दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन, क्रिसमस तथा ईद, पोंगल, ओणम आदि इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं सूची का निर्माण करें।
4. (क) पोंगल (ख) दशहरा (ग) रक्षाबंधन (घ) ओणम

(ङ) दीपावली (च) क्रिसमस

5. छात्र/छात्राएँ दिए गए स्थान पर अपनी पसंद के त्योहार का चित्रचिपकाएँ।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र/छात्राएँ संदेश कार्ड स्वयं बनाएँ।

5. एकलव्य

पाठ से

1. **श्रुतलेख**

   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. **बताओ, क्या पढ़ा-**

   (क) द्वापर युग की है।

   (ख) गुरु का नाम द्रोणाचार्य था।

   (ग) एक बार गुरु द्रोणाचार्य अपने शिष्यों सहित वन में भ्रमण के लिए निकले।

लिखो

1. (क) एकलव्य ✓ (ख) राजकुमारों को ✓

   (ग) कुत्ते का ✓

2. (क) अचूक (ख) दुखी (ग) एकलव्य (घ) द्रोणाचार्य

3.

किसने	**किससे कहा**
(क) द्रोणाचार्य ने	एकलव्य से
(ख) एकलव्य ने	गुरु द्रोणाचार्य से

4. (क) एकलव्य भीलों के राजा हिरण्यधनु का पुत्र था।

   (ख) द्रोणाचार्य के धनु कवद्या कसखाने से मना करने पर एकलव्य एक घने जंगल में पहुँचा और वहाँ कुटिया बनाई उसने कुटिया के सामने एक वृक्ष के नीचे गुरु द्रोणाचार्य की मिट्टी की प्रतिमा बनाई। उसने गुरु को प्रणाम कर शस्त्र-साधना प्रारंभ कर दी।

   (ग) एकलव्य ने गुरु द्रोणाचार्य को ही अपना गुरु बताया। अर्थात की कि आप ही मेरे गुरु हैं। आप ही की कृपा सेही मैं धनुविद्यासीख सका हूँ।

मूल्याधारित प्रश्न

हाँ मैं इस कथन से पूर्णतया सहमत हूँ कि निरंतर अभ्यास, संकल्प और दृढ़ इच्छा शक्ति से मुश्किल लक्ष्य को प्रप्त किया जा सकता है। यह ध्रुव सत्य है कि- करत-करत अभ्यास से जड़मति होत सुजान।

⁂ हसिया	घास काटने के लिए
कुल्हाड़ी	लकड़ी काटने के लिए
तलवार	युद्ध लड़ने के लिए
आरी	लकड़ी काटने के लिए
तीर	युद्ध लड़ने के लिए

भाषा से

1. (क) तीरों को चलाने में बड़ी आनंद आता था।

   (ख) द्रोणाचार्य एकलव्य की विनम्रता से प्रभावित हुए।

   (ग) कुत्ते का मुँह बाणों से भर गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. 2. 3. का उत्तर छात्र/छात्राएँ स्वयं दें।

4. वर्ग पहेली

श्रीकृष्ण	अर्जुन	युधिष्ठिर	भीम	द्रोणाचार्य
कर्ण	विदुर	सहदेव	नकुल	पांडु

रचनात्मक गतिविधि

छात्र/छात्राएँ स्वयं एक शब्दकोश तैयार करें।

6. जैसी करनी वैसी भरनी

पाठ से

1. **श्रुतलेख**

   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. बताओ, क्या पढ़ा–

(क) सियार और ऊँट में मित्रता थी।

(ख) दोनों मित्र खरबूजा खाने गए।

(ग) खरबूजा मीठे थे।

लिखो

1. (क) ऊँट से ✓ (ख) खरबूजा ✓ (ग) सियार ✓

2. (क) मित्रता (ख) मित्र (ग) नदी

(घ) गीत

3. **किसने** **किससे कहा**

(क) सियार ने ऊँट से

(ख) सियार ने ऊँट से

(ग) ऊँट ने सियार से

4. (क) नदी के उस पार खरबूजे के खेत से सियार को खाने के लिए पर्याप्त आहार मिल रहा था।

(ख) दोनों मित्र दूसरे दिन प्रातः जाने के लिए तैयार हुए।

(ग) रास्ते में दोनों ने नदी को पार किया।

(घ) खरबूजा खाने के बाद सियार के हुआँ, हुआँ करने के कारण ऊँट को मार खानी पड़ी।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्रों को देखकर मुहावरे बनाकर वाक्य स्वयं लिखें।

भाषा से

1. खरबूज़ा आवाज़ तेज़ इंतज़ार अंदाज़

2. **बेकार के शब्द**

(क) कौआ काला है। (ख) पेड़ से आम तोड़ लो।

(ग) आग गर्म है। (घ) खेत से पालक तोड़ लो।

(ङ) बर्फ ठडी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

प्रश्न 1. 2. का उत्तर छात्र/छात्राएँ स्वयं लिखें।

3. (क) गुटर-गूँ - कबूतर

(ख) कुहू-कुहू - कोयल

(ग) चीं-चीं - चिड़िया

(घ) ढेंचू- ढेंचू - गदहा

(ङ टें-टें - तोता

(च) में-में - बकरी

4. छात्र/छात्राएँ चित्रों को देखकर उसका वर्णन करें।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र/छात्राएँ नीचे दिए गए चित्रों को देखकर अपने-अपने शब्दों में कहानी लिखें।

7. सच्ची मित्रता

पाठ से

1. श्रुतलेख

छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. बताओ, क्या पढ़ा-

(क) यूनान की राजधानी ऐथेंस थीं।

(ख) दोनों मित्रों में से एक का नाम पिथियस तथा दूसरे का नाम डामन था।

(ग) जेल-अपराधियों को दंड स्वरूप रहने की जगह या स्थान जेल होता है।

लिखो

1. (क) मित्र ✓ (ख) परिवार से मिलने की ✓ (ग) संदेश ✓

2. (क) बहादुर (ख) परिवार

(ग) हवाएँ (घ) मित्रता

3. **किसने** **किससे**

(क) डामन ने राजा से

(ख) पिथियस ने जल्लाद से

4. (क) डामन की अंतिम इच्छा पूरी होने तक पिथियस को कैद करके रखा गया।

(ख) डामन नाँव से लौट रहा था। नदी में तेज़ हवाएँ चल रही थीं जिससे वह ठीक से नाव नहीं चला पा रहा था। इस कारण उसे देर हुई।

(ग) पिथियस को डामन के बदले कैद कर रखा गया था, जिसे फाँसी की सजा दी गई थी। डामन को आने में देर होने पर पिथियस को फाँसी पर चढ़ने के लिए तैयार होना पड़ा।

(घ) राजा ने मित्रता की ऐसी मिसाल पहले कभी नहीं देखी थी राजा इसलिए यह देखकर मंत्रमुग्ध हो गया।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. (क) अहंकार ✓ (ख) अपराध ✓ (ग) सम्राट ✓

2. (क) राजा ने फाँसी का दंड दे दिया।

(ख) डामन घोड़ा दौड़ाता हुआ आ पहुँचा।

(ग) दोनों ने इनकार कर दिया।

(घ) राजा दोनों को मंत्रमुग्ध होकर देखता रहा।

3. बहादुर आखिरी तेज़ सच्चा बेहद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. मैं किसी व्यक्ति की सरलता उदारता सत्य निष्ठा कर्तव्य परापणता हार्दिक प्रेम और निश्चयता देखकर ही उसे अपना मित्र बनाना पसंद करूगाँ।

2. (क) वही करते जो राजा ने किया।

3. छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर 40 शब्दों में वर्णन करें।

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र/छात्राएँ अपनी मित्रता पर पाँच पंक्तियाँ लिखें।

8. रंग-रँगीले आम

पाठ से

1. श्रुतलेख

छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. बताओ, क्या पढ़ा-

(क) आम को 'सभी फलों का राजा' इसलिए कहते हैं क्योंकि आम सभी फलों में सर्वश्रेष्ठ है। इसका उपयोग बहुविधि प्रकार से होता है जैसे अचार, चटनी, मुरब्बा कच्चा आम पका आम खाने में प्रयोग किया जाता है।

(ख) मुझे कच्चा-पक्का आम दोनों प्रकार से खाना अच्छा लगता है आम की चटनी, आचार पना, तथा मुरब्बा भी से बहुत अच्छा लगता है।

(ग) हमारे घर में आम से-चटनी, अचार, पना मुरब्बा इत्यादि बनता है।

लिखो

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) आम ✓ (ख) बच्चे ✓ (ग) कोयल ✓

2. हरे सिंदूरी पीले आम
कैसे रंग-रंगीले आम
जब होते हैं खट्टे, कच्चे
बड़े चाव से खाते बच्चे
चटनी, पना बनाती नानी
और अचार कई लासानी।

3. (क) नानी ने चटनी खट्टे और कच्चे आमों से बनाई।

(ख) आम हरे, सिंदूरी, पीले, चौसा, लंगड़ा, तोता परी, दशहरी, सफेदा फजरी प्रकार के आते हैं।

(ग) आम लू का काम तमाम करता है।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

छात्र छात्राएँ 'अंगूर' शीर्षक पर कविता लिखें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. छात्र/छात्राएँ फल-सब्जियों सं संबंधित को ही अच्छी सी कविता चार्ट-पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखें।
2. (ग) (क) और (ख) दोनों
3. छात्र/छात्राएँ आम पर कुछ पंक्तियाँ लिखें।
4. छात्र/छात्राएँ दिए गए फलों के चित्रों में अपना मनपसंद का कारण लिखें तथा रंग भरिए।

भाषा से

1. (क) किताब टेबल पर है।

   (ख) मछली जल में रहती है।

   (ग) बंदर पेड़ पर रहता है।

   (घ) तारे आसमान में चमकते हैं।

   (ङ) कलम नयी है।

9. पर्यावरण लेख

पाठ से

1. **श्रुतलेख**

   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. **बताओ, क्या पढ़ा-**

   (क) कपास के पौधों से रुई मिलती है।

   (ख) भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए हम तरह-तरह के मसालों का उपयोग करते हैं। जैसे-जीरा, मिर्च, हल्दी, लौंग, इलायची, तेजपत्ता आदि।

(ग) पेड़ों से हमें लकड़ी प्राप्त होती है।

लिखो

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) हरियाली से ✓ (ख) मित्र ✓ (ग) मसाले ✓
2. (क) जरूरतें (ख) भोजन (ग) स्वास्थ्य (घ) स्वच्छ
3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓
4. (क) वर्षा ऋतु में धरती हरियाली से भर जाती है।

   (ख) पेड़ पौधों से हमें फल-फूल, अनाज तथा लकड़ी इत्यादि मिलता है।

   (ग) भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए मसालों का प्रयोग किया जाता है।

   (घ) यदि धरती पर पेड़-पौधे न हों तो संपूर्ण जीवन समाप्त हो जाएगा।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓

भाषा से

1. **एकवचन** - खीरा मेज लौकी कुर्सी

   बहुवचन - दरवाजे कपड़े पौधे मसाले
2. मित्र - शत्रु उपयोगी - अनुपयोगी

   समाप्त - आरंभ सुखी - दुखी

   दूषित - शुद्ध आवश्यक - अनावश्यक
3. स्वच्छ मच्छर स्वागत स्वतंत्र

   सब्जी कब्जा जल्दी हल्दी
4. रुई रुचि रुचित

   रूमाल रूखा रूठा

   राजा राम रात
5. उपयोग उपकार उपनाम

   प्रदूषण प्रचार प्रकार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. वर्षा के कारण धरती हरी-भरी दिखाई देती है।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
4. छात्र/छात्राएँ स्वयं पर्यावरणपर एक पोस्टर तैयार करें।
5. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

10. धरती काँपी

पाठ से

1. **श्रुतलेख**
   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।
2. **बताओ, क्या पढ़ा-**
   (क) स्कूल में भूकंप-पीड़ितों के लिए रुपए जमा किए जा रहे थे।
   (ख) प्रिया ने पिता जी से अपने और अप्पू के लिए दस-दस रुपये माँगे।
   (ग) अप्पू पिकनिक पर गया था।

लिखो

1. (क) बस्ते में ✓ (ख) पत्थर ✓ (ग) कंपन ✓
2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓
3. (क) छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
4. (क) पिता ने बच्चों को भूकंप के बारे में बताया।
   (ख) तालाब में पत्थर फेंकने पर तरंग उठती है।
   (ग) पर्वत शृंखलाओं से बड़ी-बड़ी चट्टानों के गिरने तथा ज्वालामुखी पर्वतों से लावा फूटने के कारण भूकंप आते हैं।
   (घ) भूकंप की तीव्रता मापने के लिए सीस्मोग्राफ का प्रयोग किया जाता है।

(ङ) भूकंप आने पर हमें जल्दी से खुले आसमान के नीचे आ जाना चाहिए या फिर कमरे के किसी कोने में दीवार से सटकर खड़े हो जाना चाहिए।

मूल्याधारित प्रश्न

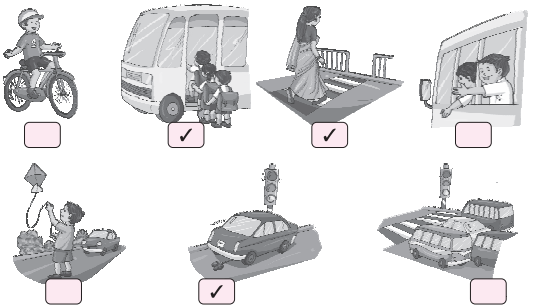

भाषा से

1.	जवाब	हल्का	असंभव
	रोना	जाना	फायदा
2.	रखना	फेंकना	हँसना
	पीना	झूलना	दौड़ना
3.	भूकंप	आँख	काँपना
	यंत्र	तरंग	शृंखला
4.	तारे	यहीं	
	नानी	मंत्र	
	जाना	पप्पू	

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

प्रश्न 1, 2, 3, 4 छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

11. गुणकारी सब्जियाँ

पाठ से

1. **श्रुतलेख**

   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

लिखो

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) ताकत ✓ (ख) पालक ✓
   (ग) चाऊमीन ✓ (घ) बीमारियों से ✓

2.

किसने	**किससे**
नीता ने	मीता से
इसरार ने	मीता से
रैना ने	सभी बच्चों से

3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓

4. (क) यदि हम खाना नहीं खाँएगें तो कमज़ोर पड़ जाएँगे।
   (ख) मीता की माँ कहती है कि हमें सभी सब्ज़ियाँ खानी चाहिए। ये हमें बीमारियों से दूर रखती है।
   (ग) मीता पालक की सब्ज़ी लेकर आई थी।
   (घ) बर्गर, चाऊमीन और चाट-पकौड़ी खाने से केवल स्वाद मिलता है, ताकत नहीं।

मूल्याधारित प्रश्न

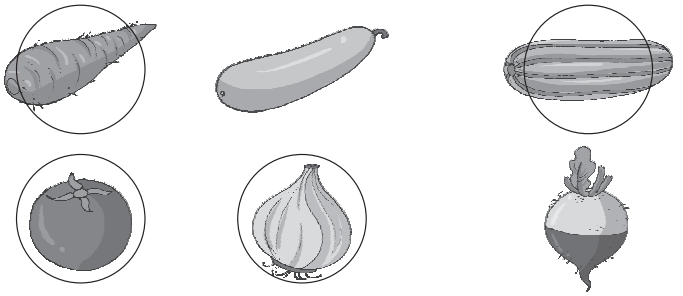

भाषा से

1. कमजोर कमखर्च कमउम्र
2. (क) खाऊँगी (ख) रखती (ग) अच्छा
   (घ) खाएँ
3. (क) लौकी (ख) खाना (ग) पालक (घ) ताकत
4. सब्ज़ी कमज़ोर चीज़ें रोज़
5. जरा – बुढ़ापा ज़रा – थोड़ा
   तेज – चमक तेज़ – प्रबल
   गरज – तेज ध्वनि गरज़ – जरूरत

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
4.

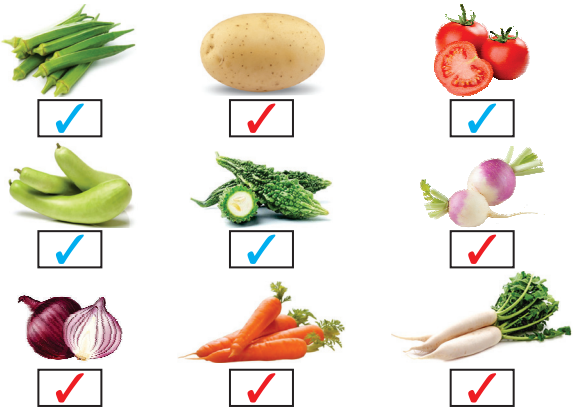

12. ऋतुएँ

पाठ से

1. **श्रुतलेख**

   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. **बताओ, क्या पढ़ा-**

   (क) भारत में ऋतु को छह भागों में बाँटा गया।-वर्षा, ग्रीष्म, शरद, हेमंत, शिशिर तथा वसंत।

   (ख) दीवाली शरद ऋतु में मनाई जाती है।

   (ग) गरम हवा ग्रीष्म ऋतु में चलती है।

लिखो

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) गर्मी ✓ (ख) दोनों से ✓ (ग) बसंत ✓

2. सूरज तपता **धरती जलती**

   गरम हवा जोरों से चलती

   तन से बहुत पसीना बहता

   हाथ सभी के **पंखा रहता**

3. (क) गरमी का मौसम मुझे अच्छा नहीं लगता है। गरमी में घूप बहुत तेज होती है। गरमी में पसीने बहुत निकलता है खाना खाना भी अच्छा नहीं लगता है।

   (ख) सरदी में ठंड से बचने के लिए गरम कपड़े, स्वेटर, मफलर, टोपी, दस्ताने तथा पैर में मोजे पहनकर रखता हूँ। मैं सरदियों में गरम पानी से नहाता हूँ। सरदी से बचाव के रूप रूम हीटर तथा आग का भी प्रयोग करते हैं।

   (ग) ग्रीष्म ऋतु के पश्चात वर्षा ऋतु आती है। वर्षा ऋतु में बारिश की बूँदें ठंड-ठंडी बहुत अच्छी लगती है। वर्षा ऋतु मुझे बहुत अच्छी लगती है। बारिश के बाद आसमान स्वच्छ और नीला दिखलाई पड़ता है। वर्षा में पेड़-पौधों धुल जाते हैं। क्योंकि उन पर पड़ी धूल-मिट्टी साफ हो

जाती है। चारों ओर हरियाली ही हरियाली दिखलाई पड़ती है। वर्षा ऋतु में सवर्त्र दृश्य मनोरम और सुहावना हो जाता है।

(घ) इस ऋतु में जाड़ा, गरमी, बरसात, बसंत ऋतुओं का वर्णन है।

(ङ) बसंत ऋतु में सर्दी कम हो जाती है, मौसम सुहावना हो जाता है, पेड़ में नए पत्ते आने लगते हैं। आम के पेड़ बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

भाषा से

1. गगन अंबर रवि दिनकर पुष्प सुमन भूमि धरा

2. सुबह कम पुराना सफेद

3. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

4. ऋतुएँ वस्तुएँ कथाएँ
पुस्तकें बूँदें हवाएँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें। **2.** छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें। **4.** छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

छात्र/छात्राएँ दिए गए स्थान पर चित्र बनाकर उसमें रंग भरें।

13. प्यार भरा खत

पाठ से

1. श्रुतलेख
छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. बताओ, क्या पढ़ा–

2. (क) पत्र निजी अथवा व्यापारिक सूचना को प्राप्त करने तथा भेजने के लिए पत्र व्यवहार अत्यंत कारगर है। प्रेम, क्रोध, जिज्ञासा, प्रार्थना, आदेश, निमंत्रण आदि अनेक भावों को व्यक्त करने के लिए पत्र लेखन का सहारा लिया जाता है।

(ख) इतिहास लेखक एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। मानव समाज के क्रिया-कलापों का क्रमबद्ध विवरण हो 300 ई॰ पूर्व से ही हो सकता है। सबसे पहले इतिहास लेखक का क्रमबद्ध विवरण यनानी विद्वान हेरोडोट्स के द्वारा किया गया था।

(ग) पत्र के लेखक पं॰ जवाहरलाल नेहरू जी हैं।

लिखो

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) जवाहरलाल नेहरू ने ✓ (ख) इलाहाबाद में ✓
(ग) किताबें ✓

2. तुम उसकी कहानी रोड़े के मुँह से सुन सकते हो।
एक चट्टान का टुकड़ा वह भी था।
किसी पहाड़ के दामन में वह पड़ा रहा।

3. (क) संसार रूपी पुस्तक को खुद पत्थरों और पहाड़ों को पढ़कर उसका हाल जानना सीख जाओगे।

(ख) दुनिया का हाल जानने के लिए सब देशों का और उन यब जातियों का जो इसमें बसी हुई है, ध्यान रखना पड़ेगा केवल उस छोटे से देश का नहीं जिसमें तुमने जन्म लिया है।

(ग) पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल, जानवरों की पुरानी हड्डियों को देखकर हम दुनिया का पुराना हाल पता कर सकते हैं।

(घ) संसार रूपी पुस्तक को पढ़ने से लेखक का आशय है-हाल जानने का असली तरीका यह नहीं है कि हम केवल दसरों की लिखी हुई किताबें पढ़ ले, बल्कि खुद संसार रूपी पुस्तक को पढ़ें।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. छ + ओ + ट + ई

   ज + अ + व् + आ + ब

   प + उ + र + आ + ना + आ

   क + इ + न + आ + र + आ

2. पत्र – चिट्ठी वर्ष – साल नया – नवीन

   प्रिय – प्यारा चित्र – तस्वीर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. छात्र/छात्राएँ नेट से उन महापुरुषों की जानकारी प्राप्त करें जिन्होंने मानव सभ्यता के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है।
2. हाँ मैं अपने छोटे भाई-बहनों को पत्र के माध्यम से उनके पढ़ाई-लिखाई आदि शैक्षिक गतिविधियों का पत्र के माध्यम से मार्गदर्शन करता हूँ।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
4. **वर्ग पहेली**

   भारत रूस फ्रांस चीन एशिया यूरोप इंडोनेशिया जापान

14. बिना विचारे जो करे.....

पाठ से

1. **श्रुतलेख**

   छात्र/छात्राएँ श्रवण कर स्वयं लेख लिखें।

2. **बताओ, क्या पढ़ा-**

2. (क) विक्रमसेन बीसलगढ़ राज्य के राजा थे।

   (ख) चिड़िया ने अपने संबंधियों से मिलने की इच्छा प्रकट की।

   (ग) चिड़िया के पिता ने सम्राट के लिए एक अमृत-फल दिया।

लिखो

1. (क) दयालु ✓ (ख) साँप ✓

2. (क) चिड़िया भी **सम्राट** को बहुत चाहती थी।

(ख) फल लेकर चिड़िया **महल** में पहुँची।

(ग) पशु **फल** का टुकड़ा खाते ही मर गया।

(घ) सम्राट को अपने **कुकृत्य** पर बहुत दुख हुआ।

3. (क) इसे खाने से पहले इसका परीक्षण करवा लीजिए।

(ख) उसे खाकर हमें दुनिया के कष्टों से छुटकारा मिल जाए।

(ग) मुझे मारना चाहती थी? ले अब तू भी मर।

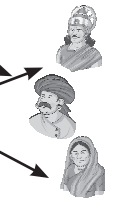

4. (क) चिड़िया ने रात पर पेड़ गुजारी।

(ख) साँप ने अमृत फल को चख लिया था इस कारण फल विषैला हो गया।

(ग) राजा ने चिड़िया को मौत के घाट उतार दिया और अपने महल के बीचोबीच उसे गड़वा दिया।

(घ) राजा द्वारा जमीन में गाड़ा गया फल ही अमृत फल था कुछ समय पश्चात उसी स्थान पर एक पेड़ निकल आया जिसपर लगे फल को उसी राज्य में रहने वाले एक बूढ़ा और एक बुढ़िया ने खा लिया फल खाते ही दोनों स्वस्थ और सुंदर हो गए तब राजा को पता चला कि फल वास्तव में अमृत फल है।

मूल्याधारित प्रश्न

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. (क) विक्रमसेन के लिए (ख) चिड़िया के लिए

(ग) साँप के लिए (घ) सम्राट के लिए

2. फल का टुकड़ा चिड़िया का पिता

पेड़ की जड़ राजा को भेंट

3.

पिता	–	माता	राजा	–	रानी
चिड़ा	–	चिड़िया	बूढ़ा	–	बूढ़ी
सम्राट	–	साम्राज्ञी	नाग	–	नागिन

4. अमृत कुकृत्य दृढ़ वृक्ष

5. विहार आदेश

विचार आराम

विराम आकार

विकार आना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें। **2.** छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

3. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें। **4.** छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

गर्मी के फल	**सर्दी के फल**
खरबूजा	अमरूद, अंगूर
तरबूज	केला
आम, सेब	अनार, संतरा
लीची	अनानास, काला अंगूर